



永乐宫壁画白描

天津人民美术出版社

永乐宫壁画白描

目录

永乐宫壁画白描

刘建平 主编
范金鳌 临摹

天津人民美术出版社

永乐宫壁画白描

主 编 刘建平
责任编辑 陈正明
技术编辑 李宝生
作品摄影 冯炜烈
马家吉
文字校对 丁淑芳
封面设计 陈 楠
版式设计 陈正明

永乐宫壁画白描

天津人民美术出版社出版发行

新华书店天津发行所经销

天津市人民印刷厂印刷

1998年1月第1版

1998年1月第1次印刷

开本:787×1092毫米 1/8 印张:16.5

印数:0001—5000

ISBN7-5305-0764-8

定价:49.00元

J·0764

序

编辑的使命是出好书。编辑在工作中除了加强自身的理论修养外,更多的是要关注时代的呼声读者的需求——不断地追踪文化发展的潮流,美术爱好者的偏好,艺术院校的教学动向,美术在日常生活、工业生产、环境建设中的实际应用等等,目的是为读者提供更好的精神食粮。

自改革开放以来,我国经济高速发展,国力大幅度提高,文化事业一片繁荣景象。80年代以来美术领域空前活跃,“新潮”过后人们对传统更加重视和珍惜了。中国画的普及,美术院校国画教学的需要,使人们更加重视白描的作用。临摹永乐宫壁画的线描几乎成了美术院校中国人物画教学的必修课,于是我便萌生了出版一本永乐宫壁画白描作品集的设想。

从我了解永乐宫壁画那一天起,它在我的心中就一直是神圣的。70年代初期,我大学一毕业便和学友一道从三门峡渡过黄河,从山西平陆县出发,一路翻山越岭步行到芮城县的永乐宫去“朝圣”。那时,一路上见的都是原始的田园风光,走进永乐宫除了四周的院墙和高大的宫殿外,院内的景色尽收眼底;稀疏的树木抵挡不住强烈的阳光,每个角落都是那么圣洁耀眼。推开三清殿的大门,短暂的沉寂过后感受到的便是心灵的震撼和强烈的视觉冲击。一丈多高的壁画深深地打动着,吃惊、赞叹,心情难以言表……

二十多年过去了,我再次去“朝圣”。昔日的田园风光被层层绿色的梯田、果园、大棚所取代,羊肠小道变成了宽敞的柏油盘山公路,现代的建筑群取代了昔日的秦砖汉瓦,旧貌换新颜。今天的永乐宫隐约地湮没在绿荫和鲜花之中,壁画依旧,使我再次感受到当年的震撼力。在殿内,有位长者正在专注地临摹壁画,他便是范金整先生。我对他讲明来意,心有灵犀一点通,我们一拍即合。范先生在永乐宫苦心奋斗二十年,临摹的手稿满满地堆了一屋。巨大的工作量和孜孜不倦的追求真要有愚公移山的精神。

永乐宫壁画产生于我国的元代。元代是我国历史上第一个由少数民族统治的政权。由于蒙古族入主中原,蒙古贵族对汉族实行了歧视政策。汉族知识分子受到了压制,他们的社会地位低下而被沦为娼妓、乞丐之后的末流。这对于一向认为“万般皆下品,唯有读书高”的知识分子来说在心理上是难以承受的,悲愤的心情可想而知。他们把绘画作为一种精神寄托,为了回避政治,他们从山水画、花鸟画中去寻求“世外桃源”。人物画因此受到冷落,文人画的发展居于压倒一切的地位。这

时的蒙古贵族为了维护其统治,对宗教采取了扶植的政策,这为宗教壁画的发展提供了良好的机会,在这一特定的历史时期内创造了永乐宫壁画这一辉煌灿烂的历史杰作。

一些国外出版的百科全书是这样论述中国的:“中国源远流长的文明比世界上任何国家都悠久,在很长的历史时期中国的经济、科学技术都处于领先的地位,而且一向都更先进。人类在中国已居住了50万年,他们在5500年前就建立了城市,比欧洲、美洲、非洲城市出现早得多,中国人发明了纸张、文字、丝绸、印刷术、指南针和火药……”早在14世纪欧洲文艺复兴之前,我国就产生了永乐宫壁画这样伟大的作品,它是中华民族的骄傲。在当今传世的唐代绘画作品中虽然也能展现大唐风采,但由于吴道子大量的壁画和绘画作品早已失传,难以再让后人体会到“曹衣出水,吴带当风”的风韵。然而有幸的是永乐宫壁画宏伟之作能让我们体会到吴家样的大唐绘画遗风。

今天我们能将近五米高几十米长的巨幅永乐宫壁画白描作品汇集成册呈现在读者面前,要特别感谢永乐宫文管所的范金鳌先生,摄影专家冯炜烈先生、马家吉先生,资深编辑陈正明先生,是他们的辛勤劳动才使虚拟的构想变成现实。我们的目的是为了弘扬民族传统文化,为广大美术工作者、美术爱好者提供一个学习白描的范本,为艺术院校提供一部好的辅助教材,为广大工艺美术工作者在从事玉雕、石雕、牙雕、内画、屏风等工作时提供一部实用的资料图书。

经济的繁荣必然会带来文化的发展,国力的增强必然会促进民族精神文明程度的提高。如果这部画册能受到广大读者的厚爱,已算圆了编辑的一段梦想,能为精神文明建设尽其微薄之力,正是我们出版工作者的期盼和追求。

刘建平

永乐宫壁画(彩图)



1. 丰都大帝及诸神



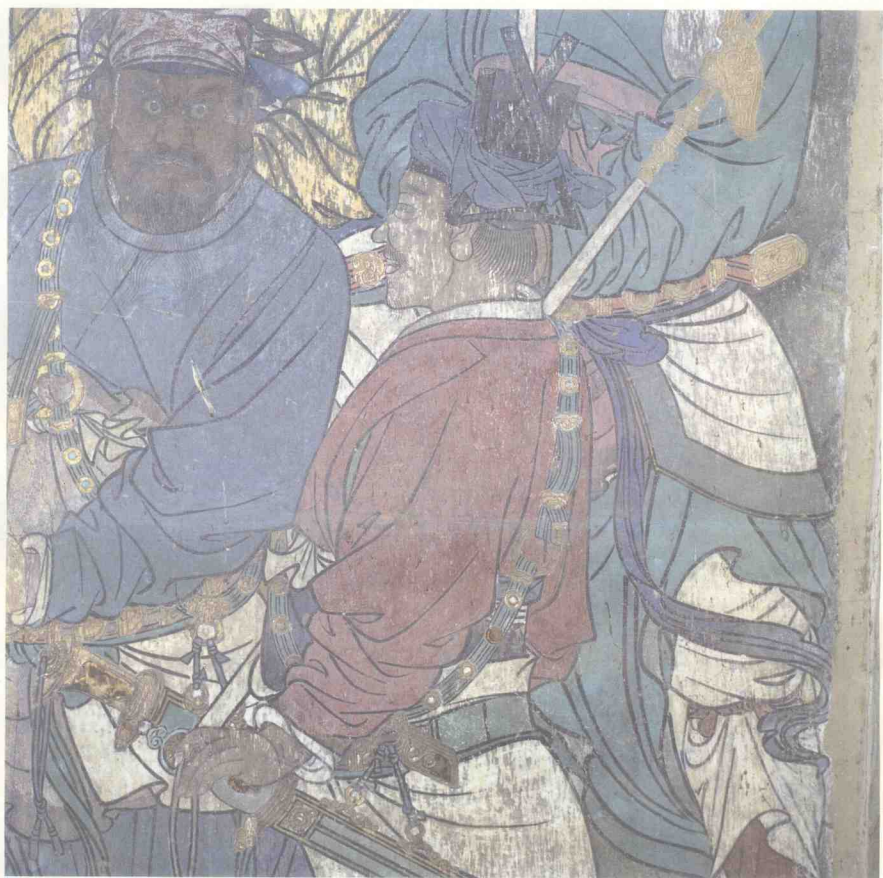
2. 东极青华太乙



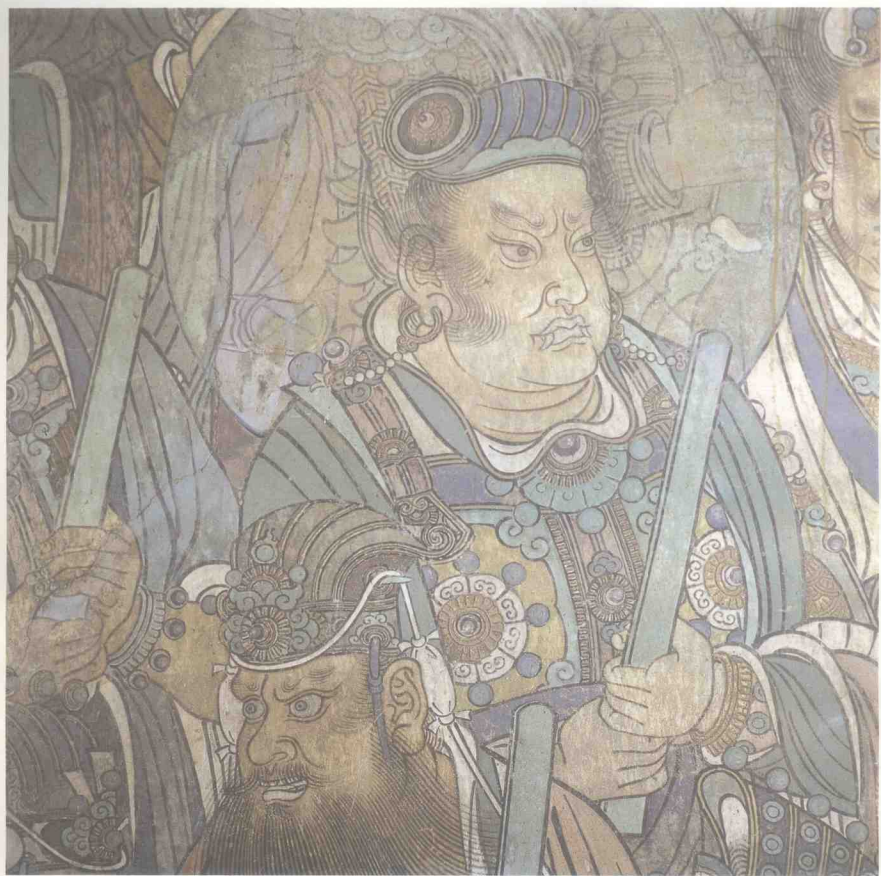
3. 玉女



4. 大乙救苦天尊及诸仙真



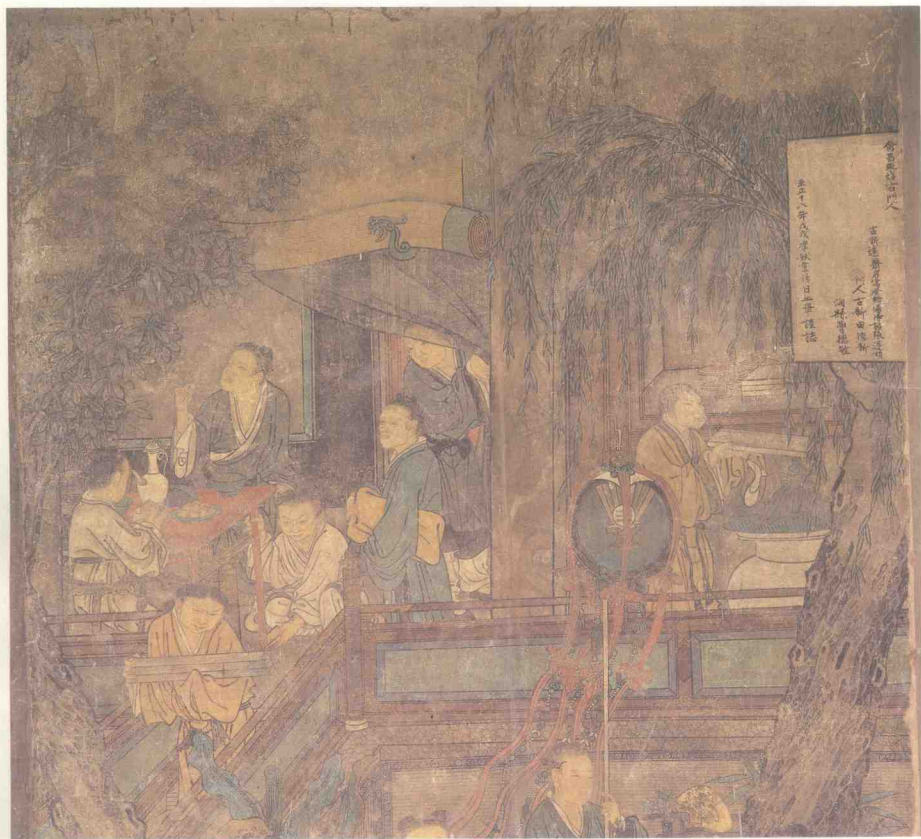
5. 天丁力士



6. 雷神



7. 天地水官及二十八宿



會真記
唐人
五言律詩
八言新曲
詞賦
詩經
詩經

8. 道观

目录

永乐宫壁画(彩图)

序 刘建平

| | |
|----------------|----|
| 1. 丰都大帝及诸神 | 1 |
| 2. 东极青华太乙 | 2 |
| 3. 玉女 | 3 |
| 4. 太乙救苦天尊及诸仙真 | 4 |
| 5. 天丁力士 | 5 |
| 6. 雷神 | 6 |
| 7. 天地水官及二十八宿 | 7 |
| 8. 逆观 | 8 |
| 永乐宫壁画白描(摹本) | |
| 1. 东极大帝 | 1 |
| 2. 南极大帝 | 2 |
| 3. 水官 | 3 |
| 4. 地官 | 4 |
| 5. 句陈大帝 | 5 |
| 6. 法师 | 6 |
| 7. 土星 | 7 |
| 8. 丰都大帝 | 8 |
| 9. 后土娘娘 | 9 |
| 10. 天蓬元帅 | 10 |
| 11. 天丁力士 | 11 |
| 12. 扶桑大帝 | 12 |
| 13. 西王母 | 13 |
| 14. 玉女 | 14 |
| 15. 太乙神 | 15 |
| 16. 太乙侍臣 | 16 |
| 17. 天猷副元帅、真武将军 | 17 |
| 18. 玉女 | 18 |
| 19. 玄元十子 | 19 |
| 20. 玄元十子 | 20 |
| 21. 飞天 | 21 |
| 22. 飞天 | 22 |
| 23. 玉女 | 23 |
| 24. 玉女 | 24 |
| 25. 吕、钟谈道图 | 25 |
| 26. 白虎呈 | 26 |
| 27. 玄元十子 | 27 |
| 28. 玄元十子 | 28 |
| 29. 玄元十子 | 29 |
| 30. 玄元十子 | 30 |
| 31. 玉女 | 31 |
| 32. 玉女 | 32 |
| 33. 玉女 | 33 |
| 34. 玉女 | 34 |
| 35. 玉女 | 35 |
| 36. 孔子 | 36 |
| 37. 彗星 | 37 |
| 38. 太极仙侯 | 38 |
| 39. 使者 | 39 |
| 40. 使者 | 40 |
| 41. 玉女 | 41 |
| 42. 玉女 | 42 |
| 43. 玉女 | 43 |

| | |
|-----------|----|
| 44. 玉女 | 44 |
| 45. 月亮神 | 45 |
| 46. 天蓬元帅 | 46 |
| 47. 玉女 | 47 |
| 48. 玉女 | 48 |
| 49. 玉女 | 49 |
| 50. 玉女 | 50 |
| 51. 罗睺星 | 51 |
| 52. 电母 | 52 |
| 53. 雷公 | 53 |
| 54. 西王母 | 54 |
| 55. 天猷副元帅 | 55 |
| 56. 水星 | 56 |
| 57. 金星 | 57 |
| 58. 月守神 | 58 |
| 59. 后土娘娘 | 59 |
| 60. 待考 | 60 |
| 61. 待考 | 60 |
| 62. 待考 | 61 |
| 63. 待考 | 61 |
| 64. 火星 | 62 |
| 65. 土星 | 62 |
| 66. 四目老翁 | 63 |
| 67. 葛籊 | 63 |
| 68. 唐宏 | 64 |
| 69. 三台 | 64 |
| 70. 五岳 | 65 |
| 71. 四渎 | 65 |
| 72. 四渎 | 66 |
| 73. 历代法师 | 66 |
| 74. 引进仙官 | 67 |
| 75. 地官 | 67 |
| 76. 水官 | 68 |
| 77. 仙曹 | 68 |
| 78. 仙曹 | 69 |
| 79. 香官 | 69 |
| 80. 香官 | 70 |
| 81. 香官 | 70 |
| 82. 二十八宿星 | 71 |
| 83. 二十八宿星 | 71 |
| 84. 二十八宿星 | 72 |
| 85. 二十八宿星 | 72 |
| 86. 二十八宿星 | 73 |
| 87. 二十八宿星 | 73 |
| 88. 二十八宿星 | 74 |
| 89. 二十八宿星 | 74 |
| 90. 二十八宿星 | 75 |
| 91. 二十八宿星 | 75 |
| 92. 二十八宿星 | 76 |
| 93. 二十八宿星 | 76 |
| 94. 二十八宿星 | 77 |
| 95. 二十八宿星 | 77 |

| | |
|---------------|-----|
| 96. 二十八宿星 | 78 |
| 97. 二十八宿星 | 78 |
| 98. 二十八宿星 | 79 |
| 99. 二十八宿星 | 79 |
| 100. 太乙神 | 80 |
| 101. 太乙神 | 80 |
| 102. 太乙神 | 81 |
| 103. 太乙神 | 81 |
| 104. 太乙神 | 82 |
| 105. 八卦神 | 82 |
| 106. 八卦神 | 83 |
| 107. 八卦神 | 83 |
| 108. 八卦神 | 84 |
| 109. 八卦神 | 84 |
| 110. 八卦神 | 85 |
| 111. 八卦神 | 85 |
| 112. 八卦神 | 86 |
| 113. 雷部神 | 86 |
| 114. 雷部神 | 87 |
| 115. 雷部神 | 87 |
| 116. 雷部神 | 88 |
| 117. 雷部神 | 88 |
| 118. 雷部神 | 89 |
| 119. 雷部神 | 89 |
| 120. 雷部神 | 90 |
| 121. 雷部神 | 90 |
| 122. 雷部神 | 91 |
| 123. 南斗六星 | 91 |
| 124. 南斗六星 | 92 |
| 125. 北斗七星 | 92 |
| 126. 仙曹 | 93 |
| 127. 玉女 | 93 |
| 128. 朝元图(之1) | 94 |
| 129. 朝元图(之2) | 96 |
| 130. 朝元图(之3) | 98 |
| 131. 朝元图(之4) | 100 |
| 132. 瑞应永乐 | 102 |
| 133. 度何仙姑 | 103 |
| 134. 逆观乐队 | 104 |
| 135. 武昌贺墓 | 106 |
| 136. 伎乐人(之1) | 107 |
| 137. 伎乐人(之2) | 107 |
| 138. 伎乐人(之3) | 108 |
| 139. 伎乐人(之4) | 108 |
| 140. 伎乐人(之5) | 109 |
| 141. 伎乐人(之6) | 109 |
| 142. 伎乐人(之7) | 110 |
| 143. 伎乐人(之8) | 110 |
| 144. 伎乐人(之9) | 111 |
| 145. 伎乐人(之10) | 111 |

跋 范金璠



1. 东极大帝

①



2. 南极大帝